लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 27 March 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

संदर्भ नहीं, अब मूल पुस्तकें बताएंगी मुगलों का इतिहास

सचिन त्रिपाठी

लविवि का पर्शियन विभाग कराएगा फारसी में लिखी पुस्तकों का अनुवाद

कोर्स के दौरान हर विद्यार्थी के प्रोजेक्ट में शामिल होगा पर्शियन की एक पुस्तक का हिंदी या अंग्रेजी में अनुवाद करना

लखनऊ। मुगलों की जानकारी के लिए उपलब्ध ज्यादातर पुस्तकें फारसी (पर्शियन) किताबों का हवाला तो देती हैं, पर मूल पुस्तकें हमारे सामने नहीं होती हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय का पर्शियन विभाग विवि के मध्यकालीन इतिहास विभाग के साथ मिलकर अब इतिहास की मूल पुस्तकें हिंदी और अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध कराएगा। पर्शियन विभाग अपने विद्यार्थियों को कोर्स की अवधि के दौरान पर्शियन की कम से कम एक पुस्तक का हिंदी या अंग्रेजी में अनुवाद करने के लिए कहेगा। यह उनका प्रोजेक्ट होगा। इसके आधार पर उनको नंबर मिलेंगे।

पर्शियन विभाग के अध्यक्ष डॉ. गुलाम नबी अहमद के अनुसार, भारत में मुगलों ने तीन सौ वर्ष से ज्यादा समय तक शासन किया। उनकी आपसी बोलचाल की भाषा टर्की थी, पर आधिकारिक राजभाषा फारसी ही रही। राज्य से संबंधित कामकाज, आदेश और काफी साहित्य इसी भाषा में लिखा गया।

मुगलों के इतिहास की जानकारी के लिए फारसी पाठ्य सामग्री और पुस्तकें सबसे विश्वसनीय स्रोत हैं, लेकिन इनका हिंदी या अंग्रेजी अनुवाद बेहद कम उपलब्ध है। इतिहास की ज्यादातर पुस्तकें इन पुस्तकों के संदर्भ की बात तो करती हैं, पर मूल पुस्तक सामने नहीं होती है। इसे देखते हुए मध्यकालीन इतिहास विभाग से बात की गई है। विभाग जिन पुस्तकों की सूची देगा उनका अनुवाद विद्यार्थियों को हिंदी या अंग्रेजी में करना होगा। यह काम शिक्षक की देखरेख में होगा।

■ **लविवि में मुंशी नवल किशोर पर स्थापित होगी चेयर :** लखनऊ में पुस्तक प्रकाशन के जनक मुंशी नवल किशोर को सम्मान देने के लिए लविवि के पर्शियन विभाग में उनके नाम पर एक चेयर स्थापित करने की योजना है। प्रस्ताव तैयार है। लखनऊ के मुंशी नवल किशोर प्रेस की ख्याति इतनी बढ़ गई थी कि इसे पेरिस के एलपाइन प्रेस के बाद दूसरा दर्जा दिया जाता था। इसके माध्यम से हिंदी, उर्दू, अरबी, फारसी और अंग्रेजी समेत अन्य भाषाओं की किताबें प्रकाशित की गईं। मुंशी नवल किशोर के नाम पर चेयर स्थापित होने पर उनके बारे में लोग और जानकारी पा सकेंगे।

इतिहास की पुस्तकें ही क्यों ?

विभागाध्यक्ष डॉ. गुलाम नबी अहमद के अनुसार, लविवि ने देश में सबसे पहले नई शिक्षा नीति लागू की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर इस समय 10 साल का विजन डॉक्यूमेंट भी तैयार किया जा रहा है। इसमें नवीन जानकारियों के साथ ही क्षेत्र को भी अहम स्थान दिया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय और राष्ट्रीय इतिहास की उपलब्ध पुस्तकों के अनुवाद की योजना तैयार की गई है। गद्य और पद्य की पुस्तकों के मुकाबले इतिहास की पुस्तकों का अनुवाद अपेक्षाकृत आसान होगा। इसलिए शुरुआत इसी से की जाएगी। इसके बाद इसे विस्तार दिया जाएगा।

लविवि : नौ विद्यार्थियों को मिली नौकरी

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के नौ विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ है। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्लेनेटस्पार्क में बीटेक के दो छात्रों मो. अमान अली और प्रतीक्षा बाजपेयी, बीसीए छात्र प्रियांशु गुप्ता और एमबीए की अमीना फारूकी और श्रेया सिंह का प्लेसमेंट बिजनेस डवलपमेंट काउंसलर के पद पर 6.50 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है। एडुरेका में बीटेक छात्रा अनन्या यादव का चयन एसोसिएट मैनेजर के पद पर 5.94 लाख के पैकेज पर, बीटेक छात्र हर्षित भारती ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर 2.64 लाख पैकेज पर, इंडियामार्ट में एमबीए के मो. आकिब व हर्षित मौर्या का चयन क्लाइंट सर्विसिंग एग्जीक्यूटिव के पद पर 3.0 लाख के पैकेज पर हुआ है। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 7

कैंपस प्लेसमेंट में एलयू के नौ छात्रों का चयन

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू के अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से रविवार को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें चार कंपनियों ने नौ स्टूडेंट्स का चयन किया है। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्लेनेटस्पार्क में बीटेक के मो.अमान अली, प्रतिक्षा बाजपेयी, बीसीए के प्रियांशु गुप्ता, एमबीए की अमीना फारूकी और श्रेया सिंह का प्लेसमेंट बिजनेस डिवेलपमेंट काउंसलर के पद पर हुआ है। इन्हें 6.50 लाख प्रतिवर्ष का सलाना पैकेज मिला है।

अंचल, हर्षिता और देवेश को मिले पुरस्कार

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू के विधि संकाय की ओर से हुई इंटर सेमेस्टर मूट कोर्ट प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच के जस्टिस मनीष कुमार ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए दृढ़ता और प्रतिभा बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने प्रतियोगिता की विजेता टीम अंचल वर्मा, हर्षिता पटेल और देवेश यादव को पुरस्कृत किया। इस मौके पर विधि विभाग के एचओडी प्रो. बंशीधर सिंह और लखनऊ मूट कोर्ट असोसिएशन के चेयरपर्सन डॉ. राधेश्याम प्रसाद समेत डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. आलोक कुमार यादव और डॉ. राजीव सिंह राठी भी मौजूद रहे।

i-NEXT PAGE 4

आवाज से पहचान लेंगे डिप्रेशन लेवल

एलयू के स्टेटिस्टिक्स डिपार्टमेंट के हेड पांच शिक्षकों संग तैयार करवा रहे डिवाइस

LUCKNOW (26 March): कोई ईसान कितना डिप्रेस्ड है इसकी जानकारी अब आवाज से पता चल सकेगी. लखनऊ यूनिवर्सिटी के स्टेटिस्टिक्स डिपार्टमेंट के हेड प्रो. मसूद हुसैन सिद्दीकी ने पांच शिक्षकों के साथ मिलकर डिवाइस फॉर डिटेक्टिंग डिप्रेशन यूजिंग वॉयस मार्कर डिजाइन किया है. उनका दावा है कि इस वॉयस मार्कर के जरिए पांच से 10 मिनट की बातचीत के दौरान ईसान के डिप्रेशन का अंदाजा लगाया जा सकेगा. इस डिवाइस का भारत सरकार से पेटेंट करा लिया गया है. जल्द ही इसको बनाने के लिए कंपनी से संपर्क कर डिवाइस तैयार कराने का प्रोसेस शुरू किया जाएगा.

मशीन लर्निंग पर आधारित है डिवाइस

प्रो. सिद्दीकी ने बताया कि यह डिवाइस मशीन लर्निंग व नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग पर आधारित है, जो पूरी तरह मशीन लर्निंग एल्गोरिदम पर काम करेगा. वॉयस बायोमार्कर आवाज की पिच, फ्रीक्वेंसी, ऑडियो सिग्नल पर के जरिए पता करेगा कि व्यक्ति डिप्रेशन में है या नहीं. इसमें छोटा सा माइक लगा होगा जो बोलने वाले की आवाज रिकॉर्ड करेगा. इसके बाद यही मशीन लर्निंग एल्गोरिदम आवाज को अलग करके डिप्रेशन का का पता लगाएगा.

शुरुआती स्टेज का पता

प्रो. सिद्दीकी ने बताया कि आज के दौर में डिप्रेशन सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रॉब्लम है. कई बार हम लोग जान नहीं पाते कि कोई व्यक्ति डिप्रेशन में है या नहीं. इसके कारण सुसाइडल टेंडेंसी भी बढ़ रही है, ऐसे में जैसे बायोमार्कर कई सारी दिक्कतों का पता करते हैं ऐसे में डिप्रेशन में इनका क्या रेल हो सकता है इसको लेकर यह डिवाइस डिवेलप की गई है. उन्होंने बताया कि डिवाइस बनने के बाद उसमें आगे सुसाइडल टेंडेंसी को लेकर भी काम किया जाएगा ताकि लोगों को भारी अवसाद से बचाकर इलाज के लिए प्रेरित किया जा सके.

इन शिक्षकों का है सहयोग

बायोमार्कर की डिजाइन बनाने में डॉ. प्रीतम सुमन, डॉ. दीपक सिंह, डॉ. विपिन खत्री, डॉ. रंजित नायर और रोशन जहां की अहम भूमिका है. इस डिजाइन को जनवरी में पेटेंट कराने का आवेदन किया गया था, जिसे मार्च में स्वीकृति मिली है.

बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं आज से

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएड विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं सोमवार से शुरू होंगी। इसके लिए 59 परीक्षा केंद्रों पर करीब 125 कालेजों के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए 17 नोडल केंद्र भी बनाए गए हैं। पहले दिन प्रथम सेमेस्टर में दोपहर दो से शाम पांच बजे तक फिलोसोफिकल एंड सोशियोलाजिकल पर्सपेक्टिव आफ एजुकेशन विषय की परीक्षा होगी। वहीं, बीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 31 मार्च से शुरू होकर छह अप्रैल तक चलेंगी। दूसरी ओर, एमए ड्राइंग एंड पेंटिंग प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 31 मार्च और इसके तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं एक अप्रैल से शुरू होंगी। (जासं)

लवि: नौ छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में नौ विद्यार्थियों का चार कंपनियों में प्लेसमेंट हुआ है। इस बार सर्वाधिक पैकेज 6.50 लाख रुपये सालाना है।

प्लेसमेंट इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि प्लेनेटस्पार्क में बीटेक के मोहम्मद अमान अली, प्रतिक्षा बाजपेयी, बीसीए के प्रियांशु गुप्ता एवं एमबीए की अमीना फारूकी और श्रेया सिंह का प्लेसमेंट बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर पर हुआ। इन्हें अधिकतम 6.50 लाख रुपये प्रतिवर्ष का पैकेज मिलेगा। एडुरेका कंपनी में बीटेक की छात्रा अनन्या यादव का चयन एसोसिएट मैनेजर के पद पर 5.94 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर और विक्रम इंजीनियरिंग में बीटेक के छात्र हर्षित भारती का चयन ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर 2.64 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है। इंडियामार्ट में एमबीए के आकिब व हर्षित का चयन क्लाइंट सर्विसिंग एजीक्यूटिव पर तीन लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ।

JAGRAN CITY PAGE III

आडियो-वीडियो के जरिये सुन-देख सकेंगे कहानियां

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के मानव विज्ञान विभाग में उत्तर प्रदेश के इतिहास, सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत, ब्रह्मांड, स्मारकों को समर्पित कहानियों को आडियो और वीडियो के माध्यम से सुन-देख सकेंगे। ये सभी कहानियां विभाग के यू-ट्यूब चैनल पर उपलब्ध कराई जाएंगी। कैंपस के जो छात्र-छात्राएं कहानी लिखना जानते हैं, वे विभाग में संपर्क कर सकते हैं। आडियो-वीडियो में विश्वविद्यालय के शिक्षक अपनी आवाज भी दे सकते हैं। विभाग ने कहानी सुनाने को लेकर नई पहल करने की योजना बनाई है। अपने विजन प्लान में इसका प्रस्ताव शामिल किया है।

विभागाध्यक्ष डा. केया पांडेय ने बताया कि विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में विजन प्लान के तहत परास्नातक स्तर पर संग्रहालय विज्ञान की भी पढ़ाई कराने की योजना बनाई है। इसमें विद्यार्थियों को संग्रहालयों को बनाने और उसके रखरखाव के तरीके सहित कई चीजें पढ़ाई जाएंगी।

खुलेगा जनजातीय अध्ययन केंद्र: विभाग ने स्वदेशी ज्ञान प्रणाली और जनजातीय अध्ययन में स्टडी के लिए एक समर्पित केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है।

PIONEER PAGE 3

छात्रों को क्लास में बैठे मिलेगी भौगोलिक भ्रमण के साथ अध्ययन की सुविधा

● दस वर्षीय विजन प्लान में तीन स्टैंडर्ड लैब खोलेगा लविवि का भूगर्भ विज्ञान विभाग

सतीश सिंह। लखनऊ

आने वाले समय में योजना के मुताबिक सब कुछ सही रहा तो लखनऊ विश्वविद्यालय का भूगर्भ विज्ञान विभाग भूगर्भ की पढ़ाई कर रहे छात्रों को विभाग में बैठे भौगोलिक भ्रमण के साथ अध्ययन की सुविधा उपलब्ध करायेगा। भूगर्भ विज्ञान विभाग ने अपने दस वर्षीय विजन प्लॉन में तीन लैब बनाने का खाका खींचा है। यह लैब स्टैंडर्ड मानकों पर आधारित होगी।

विभाग की तरफ से अपने दस वर्षीय विजन प्लान में टीचिंग, इंटर्नशिप, वोकेशनल कोर्सेज और को-कुरीकुलम एक्टिविटी पर फोकस करने के साथ ही अन्य संसाधनों की वृद्धि पर फोकस किया गया है। संसाधनों के तहत वर्चुअल क्लासरूम को शामिल किया गया है। इस क्लासरूम की विशेषता होगी कि कोरोना जैसी दैवीय या प्राकृतिक आपदा जैसी परिस्थिति में छात्रों को स्थलीय निरीक्षण पर जाने की जरूरत नहीं होगी। छात्र लैब में बैठ कर ही सम्बंधित स्थल का निरीक्षण कर सकेंगे। वहीं विभाग की तरफ से एक स्टेट आफ आर्ट जेम टेस्ट लैब खोलने को अपने विजन में शामिल किया गया है। इस लैब में पत्थरों की पहचान की जा सकेगी। वहीं जियो केमिकल लैब के जरिए मिनरल एक्सप्लोरेशन पर कार्य किया जा सकेगा। इस बारे में विभाग प्रमुख प्रो. अजयी मिश्रा का कहना है कि आने वाले समय में क्लाइमेट और पानी दो की समस्या दिख रही है। ऐसे में केमिकल लैब के जरिए पानी की क्वॉलिटी और विभिन्न प्रकार के मिनरल की खोज इस लैब के जरिए की जा सकेगी। वहीं विभाग की तरफ से एक लैब कम वर्कशाप को प्लान में शामिल किया गया है।

यह सभी स्टूडेंट के लिए होगी। इसमें स्टूडेंट अपने मनमाफिक रिसर्च कर सकेंगे। विभाग प्रमुख ने बताया कि विजन प्लान को दो हिस्सों में बांटा गया है। जिसमें एक आने वाले पांच वर्ष में हम क्या करने वाले हैं और दूसरे आने वाले पांच वर्ष में हम कहां होंगे। उन्होंने बताया कि प्लान को सभी शिक्षकों के साथ विचार-विमर्श कर तैयार किया गया है। आने वाले दिनों में हमारी कोशिश है कि हम छात्रों को सुदूर बैठे साइंटिस्ट से छात्रों का इंटरेक्शन करा सकें।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विवि ने चलाया स्वच्छता अभियान

कार्यक्रम

● राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के छठे दिन नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

नुक्कड़ नाटक के जरिए जागरूक करते स्वयं सेवक। अमृत विचार

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के छठे दिन स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें फिलॉसफी डिपार्टमेंट के आस-पास सफाई किया गया। इस दौरान जनसंख्या नियंत्रण, नशा मुक्त भारत विषय पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम जागरूकता अभियान चलाया गया।

रविवार को विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता सिंह के साथ आचार्य नरेंद्र देव हॉस्टल की तरफ बने कर्मचारियों के आवास के सामने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। प्रस्तुतिकरण के साथ कर्मचारियों के परिवार से संवाद किया गया। उन्हें नशा करने से होने वाले हानिकारक प्रभाव के साथ नशा उन्मूलन के तरीके भी बताए और जनसंख्या वृद्धि के कारण और निवारण पर चर्चा की। कर्मचारियों के परिवारों ने बातचीत में विश्वास दिलाया कि इस कार्य के लिए वे भी लोगों को जागरूक करेंगे और बढ़ रही जनसंख्या की रोकथाम के लिए बताए गए नियमों का पालन करते हुए देश की उन्नति में भागीदारी करेंगे।

इसके बाद उन सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए पुना फिलॉसफी डिपार्टमेंट के सामने सभी स्वयं सेवक एकत्रित हुए और लक्ष्य गीत गाकर राष्ट्रीय सेवा योजना के छठे दिन के विशेष शिविर का समापन किया गया।

लविवि के नौ छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कॅरियर

● कुलपति ने दी छात्र व छात्राओं को बधाई

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा रविवार को आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में नौ छात्रों का चार कम्पनियों में प्लेसमेंट हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्लेनेटस्पार्क में बीटेक के दो छात्रों मोहम्मद अमान अली और प्रतिक्षा बाजपेयी, बीसीए के एक छात्र प्रियांशु गुप्ता और एमबीए की दो छात्राओं अमीना फारूकी और श्रेया सिंह का प्लेसमेंट बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर के पद पर हुआ है। इन्हें 6.50 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयनित किया गया है। एडुरेका कंपनी में बीटेक की छात्रा अनन्या यादव का चयन एसोसिएट मैनेजर के पद पर 5.94 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर, विक्रम इंजीनियरिंग में बीटेक के छात्र हर्षित भारती का चयन ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर 2.64 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर एवं इंडियामार्ट में एमबीए के दो छात्रों मोहम्मद आकिब और हर्षित मौर्या का चयन क्लाइंट सर्विसिंग एग्जीक्यूटिव के पद पर 3.0 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है।

HINDUSTAN TIMES PAGE 4

LU anthropology dept mulls storytelling initiative

LUCKNOW : The Lucknow University's (LU's) anthropology department has envisioned a new storytelling initiative that deals with existential questions.

"Titled 'Uttar Pradesh Ki Kahaniya', the stories that have significance to a culture (or species), or those that question the fundamentals such as "who am I", "where did I come from" or "why am I here", etc. be the centre of the initiative's focus," said Prof Keya Pandey, head of the department while talking about 10-year vision of the department.

The stories, which will also be connected to the history, socio-cultural heritage and monuments of Uttar Pradesh, shall be narrated through audio-visual means.

Meanwhile, the department is soon expected to launch a course in museology, a subdiscipline of anthropology. HTC

TARUN MITRA PAGE 12

छात्र-छात्राओं को मिला रोजगार का सुनहरा मौका

लखनऊ, 26 मार्च (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 9 छात्रों का 4 कम्पनियों में प्लेसमेंट हुआ।

प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्लेनेटस्पार्क में बीटेक के 2 छात्रों में मोहम्मद अमान अली व प्रतिक्षा बाजपेयी, बीसीए के 1 छात्र प्रियांशु गुप्ता एवं एमबीए की 2 छात्राओं में अमीना फारूकी और श्रेया सिंह का प्लेसमेंट बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर के पद पर आधिकतम 6.50 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है।